चित्र नं० १६ | تصویر نمبر ۱۶

स्वप्नध्यानम्

سپن دھیان

यस्य स्मरण मात्रेण जन्म संसार बंधनात्। विमुच्यते नमस्तस्मै विष्णवे प्रभविष्णवे



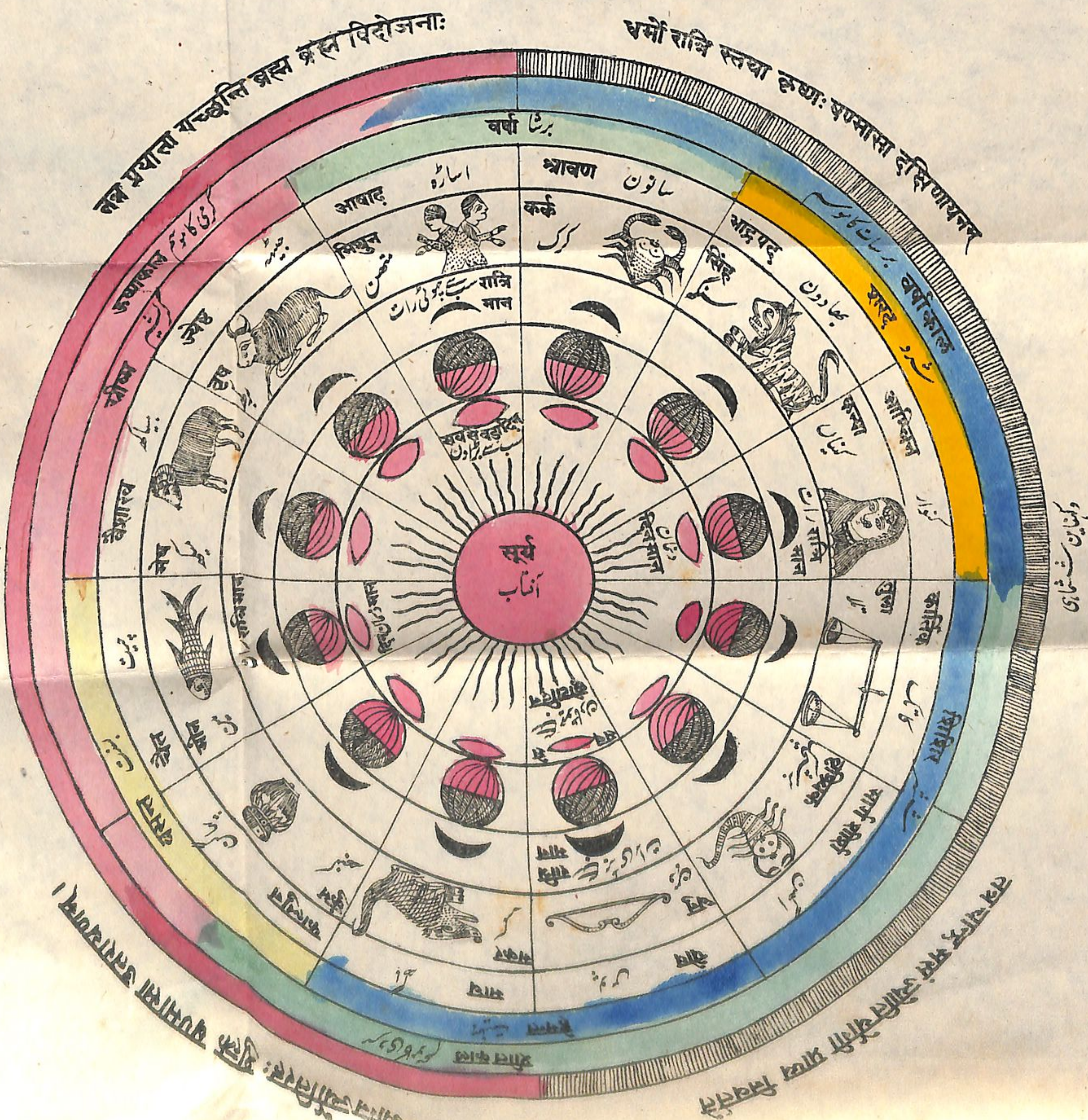
नमः समस्तभूतानामादिभूताय भूभृते अनेक रूप रूपाय विष्णवे प्रभ विष्णवे ॥

चित्र नं॰ ६

تصویر نمبر ۶

सम्वत्सर चक्रम्

سموت سر چکرم



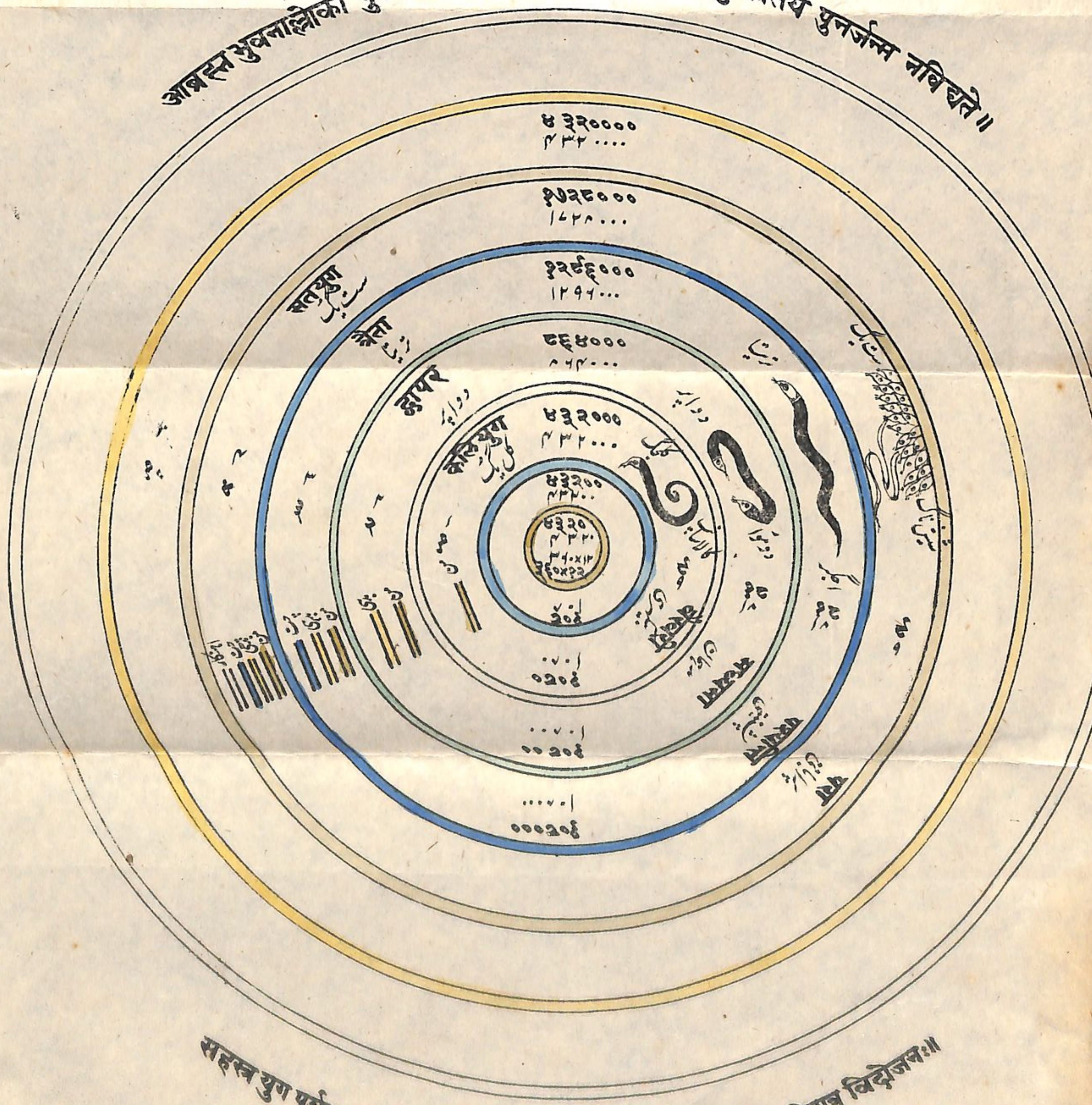
चित्र नं० ५

युग चक्रम्

تصویر نمبر ۵

یگ چکرم

आब्रह्म भुवनाल्लोका पुनरावर्तिनोऽर्जुन। मामुपेत्य तु कौन्तेय पुनर्जन्म न विद्यते॥



सहस्र युग पर्यन्त महर्यद् ब्रह्मणो विदुः। रात्रि युग सहस्रान्तां तेऽहोरात्र विदोजनाः॥

चित्र १७

उर्ध्व मूल मधःशारवमश्वत्थं प्राहुरव्ययम् छन्दांसि यस्य पर्णानि यस्तंवेद सवेदवित ॥



ॐकारो यस्य मूलं ऋमपद जठरं छंद विस्तीर्णशारवा । ऋक्पत्रं साम पुष्प यजुरथ च फलं स्याद थर्वाप्रतिष्ठा ॥

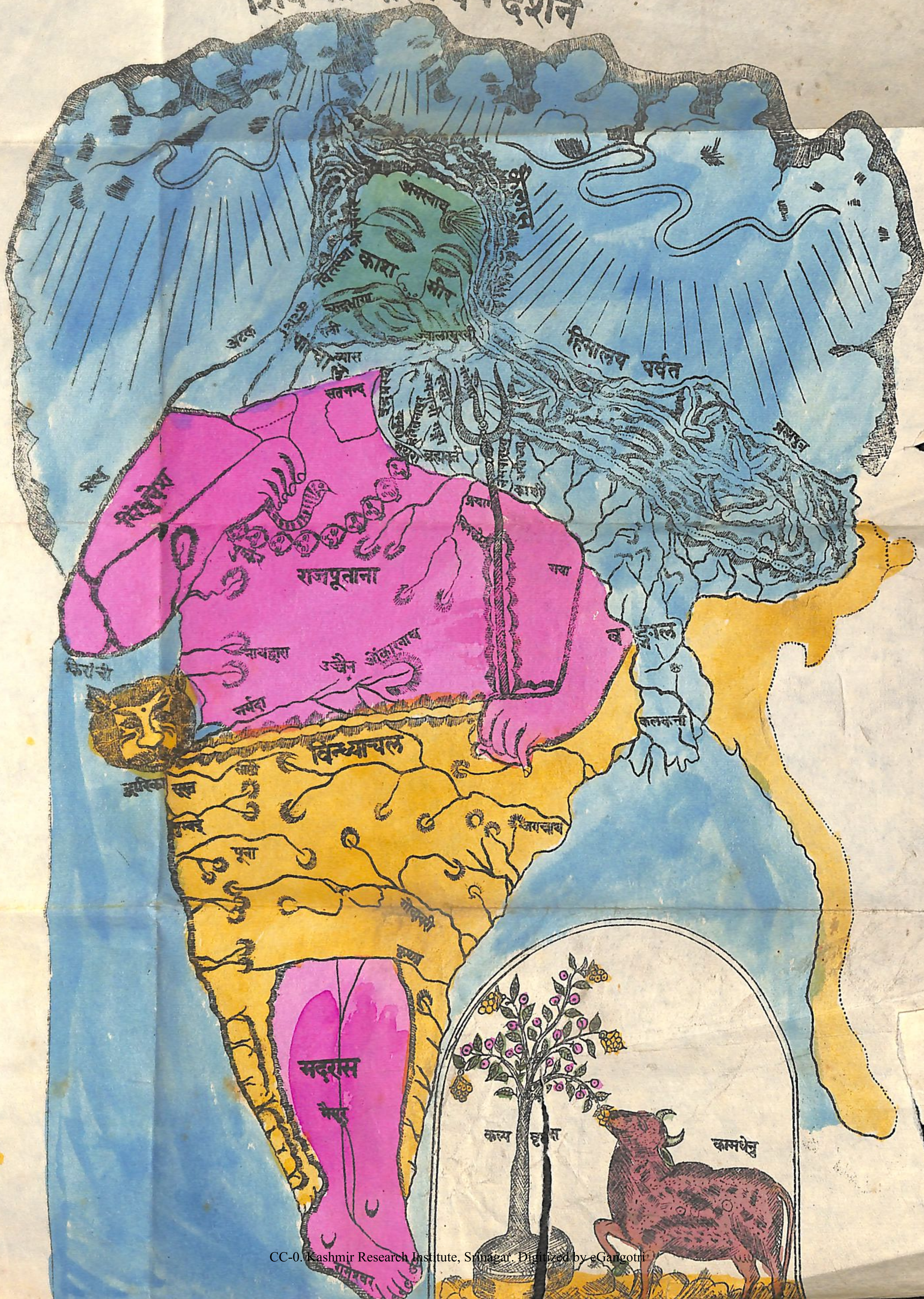
यज्ञच्छाया सुशीला द्विजगण मधुपै र्गायते यस्यनित्यम् । शक्तिःसंध्या त्रिकालं दुरित भयहरः पातुनो वेद वृक्षः ॥

सच्छाया स्थिर धर्म मूलवलयः पुण्यालवालान्वितो । धी विद्याकरुणा क्षमादि विलसत्वि स्तीर्ण शारवा च्युतः ॥

संतोषो ज्वल पल्लवः शुचियशः पुष्पः सदासत फलः । सर्वाशा पुरि पूरको विजयते श्री वेद कल्प द्रुमः ॥

चित्र नं० ११

शिव का भारत वर्ष दर्शन



चित्र ७

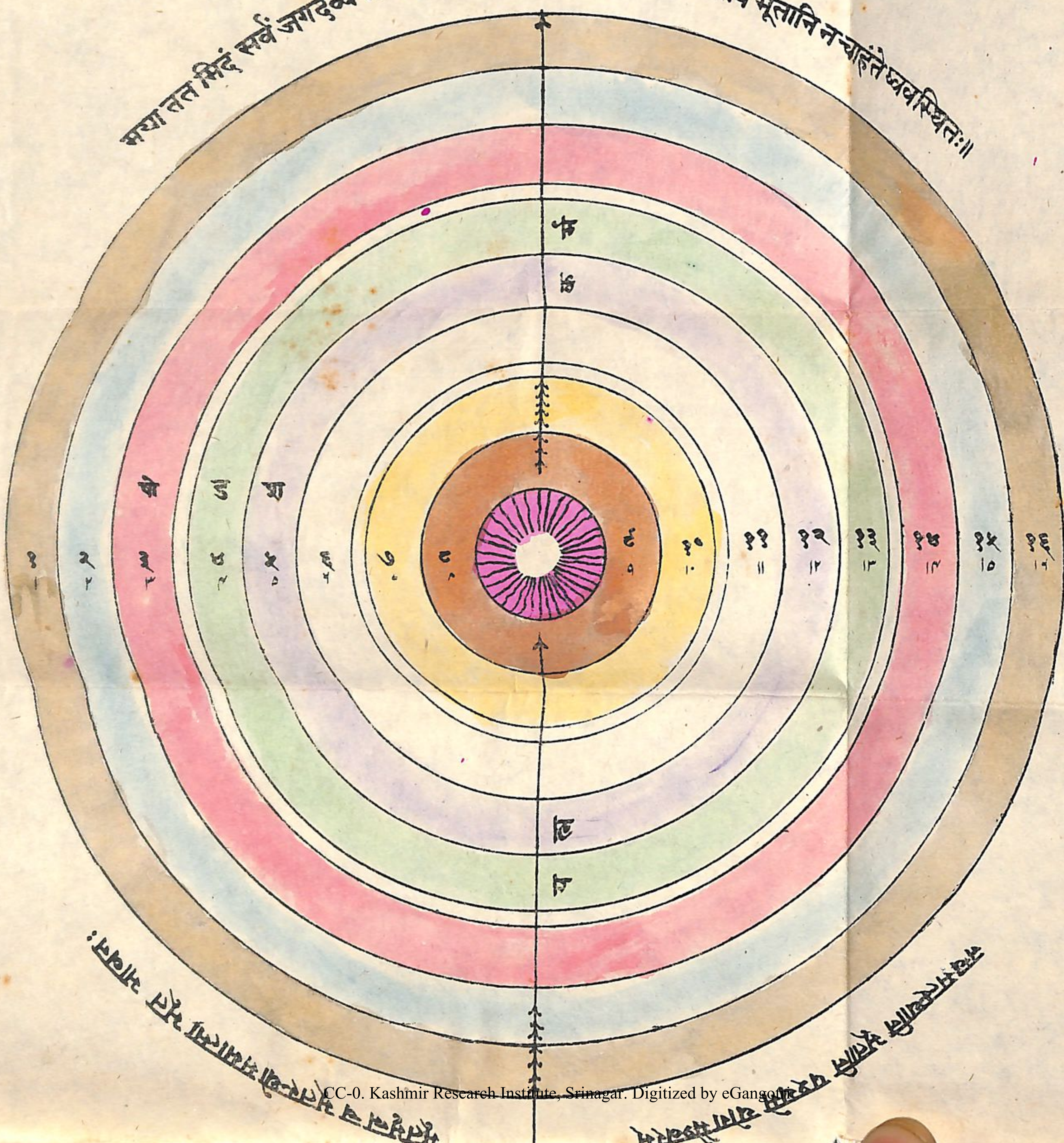
تصویر نمبر ۷

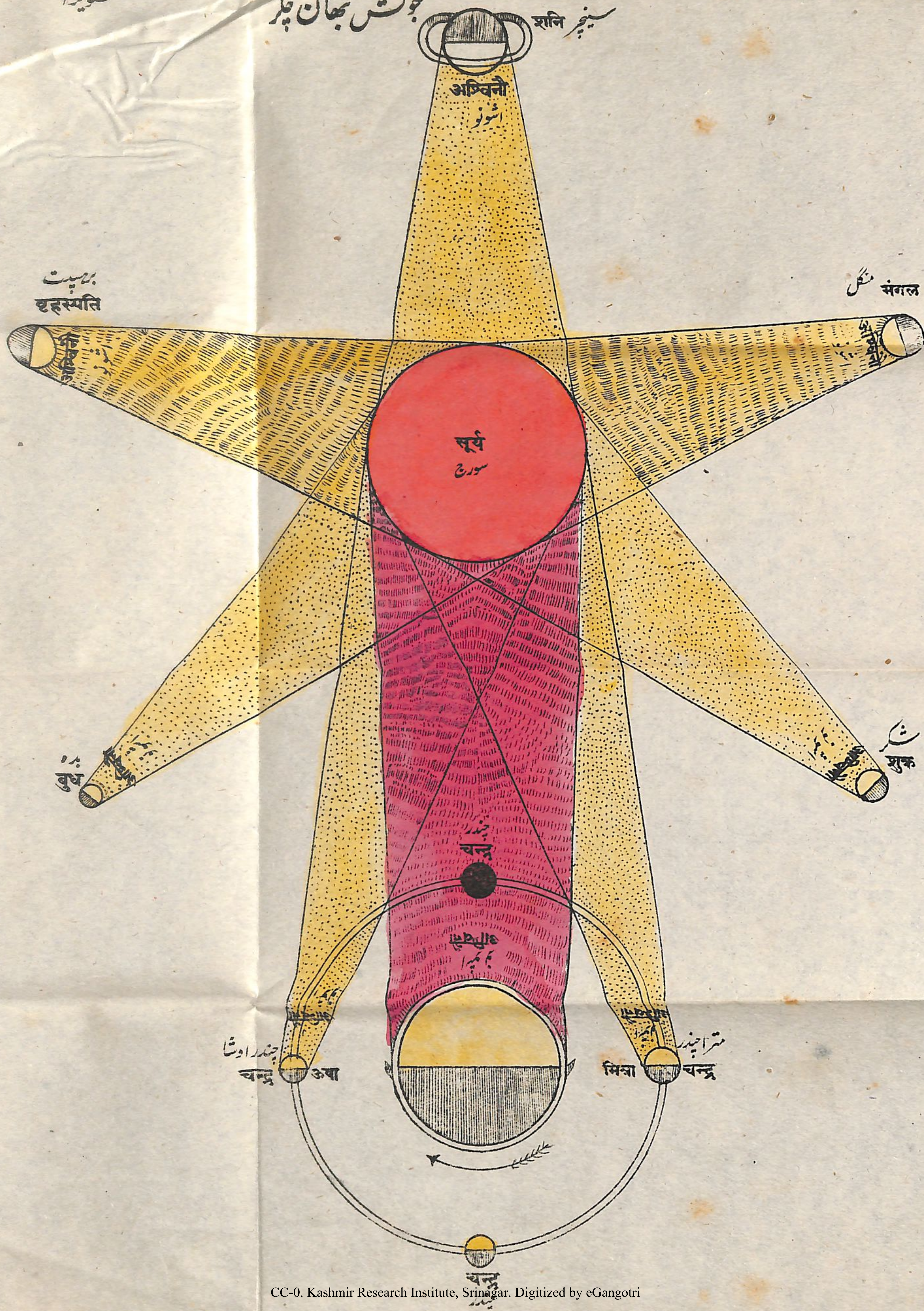
आत्म भाव दर्शनं

آتم بھاو درشن

अणोरणीयान्

विष्टभ्याह मिदं कृत्स्न मेकांशेन स्थितोजगत




चित्र नं.९
تصویر ۹
ज्योतिष्भानचक्र
جوتش بھان چکر
चरखः
چرخ
शनि
سنیچر
अश्विनी
اشونی
बृहस्पति
برہسپت
मंगल
منگل
सूर्य
سورج
बुध
بدھ
शुक्र
شکر
चन्द्र
چندر
चन्द्र ऊषा
چندر اوشا
मित्रा चन्द्र
متراچندر
चन्द्र
چندر

ब्रह्मवाह्य दर्शनं

महतोमहीयान्

विराट

सत

पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात पूर्णमुदच्यते पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते

अनादि
अद्वैतः
निरालंब
निर्द्वन्द
अनन्त
निराधार
अलख
निरंजन
अव्यक्त
निराकार
निर्विकार
अविनाशी
निष्क्रिया
अक्रियः

प्रज्ञानं
पुराण
पूर्ण ८
ब्रह्म
आनंद
सत्तम
पूर्ण ७
शुद्ध
आत्मा
वासुदेव
बुद्धि
विभुः
स्वर
तपः
जनः
महः
मनः
स्वः
भुवः
भू
आदित्य
अनंत
सांख्य
गंधार
ऋषभ
मध्यम
पंचम

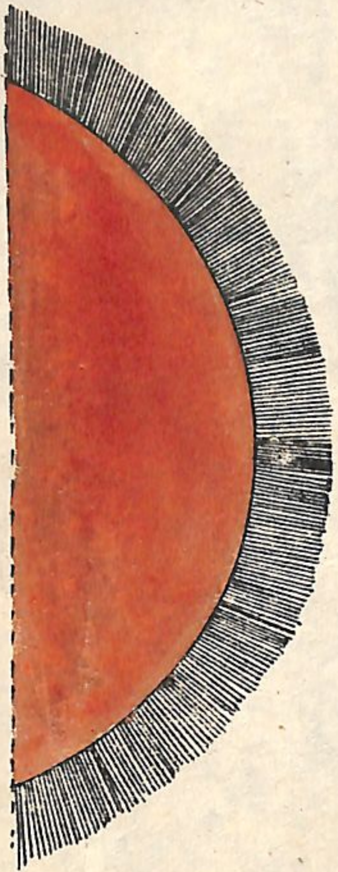
भूमिरापो नलो वायु खं मनो बुद्धिरेवच। अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा ॥

अपरेयमित स्त्वन्यां प्रकृतिं विद्धि मे परां। जीवभूतां महाबाहो ययेदं धार्यते जगत्॥

शुक्लपक्ष شکل پکش

چندر چکرم

चन्द्र चक्रम



प्रथमा द्वितीया तृतीया चतुर्थी पंचमी षष्ठी सप्तमी अष्टमी नवमी दशमी एकादशी द्वादशी त्रयोदशी चतुर्दशी पूर्णिमा

प्रथमा द्वितीया तृतीया

पृथिवी پرتھوی

कृष्णपक्ष

चित्र १३ تصویر نمبر ۱۳

एकोहं बहुस्याम:

ایکوہم بھو شاما

मय्यनन्त महांभोधौ जगद्वीचिः स्वभावतः उदेत वाल मायातु नमे वृद्धिर्न चक्षतिः

निषेध نشید
चैतन्य چیتن
अहंकार اہنکار
बुद्धि بدھ
मनः من
अकाश اکاش
वायुः وایو
अग्नि اگن
जल جل
पृथिवी پرتھوی

विधी بدھی
कुबेर کوبیر
वरुण ورون
प्रजापति پرجاپتی
मरुत मروت
रुद्र رودر
इन्द्र اندر
वासुदेव واسدیو
पुरुष پورش
दिश دش
काल کال

पुरुषोत्तम
विज्ञान وگیان
ज्ञान گیان
ज्ञेय گیہ
ज्ञान گیان
ज्ञाता گیاتا
चैतन्य چیتن
अनुभव انبھو
श्रुतिः شرتی
शब्द شبد
देह دیہ

महेश
ब्रह्मा
विष्णु
विराट

सर्व शून्यम शून्यंच सत्यासत्यं नकिंचन स्वभाव भावतः प्रोक्तं शास्त्र संवित्ति पूर्वकम्